हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, गुरुवार 22 अक्टूबर 2026

11 कनीना मंडी में बाजरे की आवक जारी 227377...



12 निजीकरण के विरोध में गरजे बिजली कर्मचारी...



मौसम अनुकूल होने से जिले में सरसों का रकबा 20 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद

तापमान गिरने व नमी बनने से खेतों में लौटी रौनक, सरसों की बिजाई में जुटे किसान

- नहरें चलने से फायदा, डीएपी की किल्लत बनी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे जिले के किसानों को एक सप्ताह पहले हुई हल्की बरसात से राहत मिली है। इसके बाद से खेतों में नमी बनने और तापमान में गिरावट आने पर अब मौसम रबी फसलों की बिजाई के अनुकूल बना हुआ है। किसान खेतों में पलाव करके सरसों की बिजाई की तैयारियों में जुट गए हैं। इस बार जिले में सरसों का बिजाई रकबा बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, बिजाई के ऐन समय पर पर्याप्त डीएपी खाद नहीं मिलने से किसानों की चिंता भी बढ़ी हुई है, दूसरी ओर नहरों में पानी चलने से उन्हें फायदा भी हो रहा है।

राजस्थान से सटे महेंद्रगढ़ जिले की भौगोलिक परिस्थितियां काफी हद तक शुष्क क्षेत्र जैसी हैं। यहां खेती में बारिश और सिंचाई के पानी की अहम भूमिका रहती है। सामान्य तौर पर जिले में एक अक्टूबर से सरसों की बिजाई शुरू हो जाती है, लेकिन इस बार मानसून पश्चात लंबे समय तक बरसात नहीं होने और दिन का तापमान 35 डिग्री तक रहने से अगेती बिजाई प्रभावित हुई। अब करीब एक सप्ताह पहले नारनौल क्षेत्र के कुछ हिस्सों में हुई हल्की बारिश के बाद रात के समय नमी बनने लगी है। तापमान भी 30 डिग्री से नीचे आने से किसानों को खेत तैयार करने और बिजाई करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिल रही हैं।

जिले में पिछले वर्षों के दौरान करीब 3.55 लाख एकड़ में रबी फसलों की बिजाई होती रही है। इनमें लगभग 2.70 लाख एकड़ में सरसों, 55 से 60 हजार एकड़ में गेहूं तथा शेष क्षेत्र में जौ, चना और अन्य फसलें बोई जाती हैं। इस बार बारिश से खेतों में नमी मिलने के कारण उन किसानों को भी फायदा मिलने की उम्मीद है, जो सिंचाई की व्यवस्था नहीं होने के चलते समय पर सरसों नहीं बो पाते थे। नहरों के आसपास खेत होने वाले किसान नहरी पानी से पलाव करके बिजाई कर रहे हैं।



नारनौल। खेतों में सरसों की बिजाई करते किसान। फोटो : हरिभूमि

गेहूं, जौ और चने की बिजाई का भी समय

जिले में करीब 60 हजार एकड़ में गेहूं, 10 हजार एकड़ में जौ और पांच हजार एकड़ में चने तथा अन्य फसलों की बिजाई होती रही है। कृषि संबंधी समय-सारिणी के अनुसार, गेहूं की बिजाई एक नवंबर से शुरू करना उचित माना जा रहा है, जबकि जौ और चने की फसलें 15 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच बोई जा सकती हैं।

समर्थन मूल्य में भी बढ़ोतरी

केंद्र सरकार ने रबी विपणन सत्र 2027-28 के लिए सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6,613 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है, जो पिछले सत्र के 6,200 रुपये से 413 रुपये अधिक है। गेहूं का समर्थन मूल्य भी 25 रुपये बढ़ाकर 2,610 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। चना उत्पादक किसानों के लिए नया न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,958 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इस तरह इसमें 83 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। वहीं, जौ का समर्थन मूल्य 2,150 रुपये से बढ़ाकर 2,286 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। इस प्रकार जौ के समर्थन मूल्य में 136 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि हुई है।

यह कहते हैं विशेषज्ञ

कृषि विभाग के पौध संरक्षण अधिकारी डॉ. हरपाल सिंह यादव ने बताया कि सरसों की बिजाई का सर्वोत्तम समय चल रहा है। किसान बिना देरी किए बिजाई कर दें। मौसम अनुकूल होने से खेती के काम में किसानों को फायदा मिलेगा। गेहूं की बिजाई एक नवंबर से शुरू की जा सकती है।

खबर संक्षेप

सिहमा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का प्रदर्शन कल

मंडी अटेली। सिहमा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से 23 अक्टूबर को वोट चोर गद्दी छोड़, वोट बचाओ, देश बचाओ और संविधान बचाओ के मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया जाएगा। सिहमा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दलीप सिंह ने बताया कि सुबह 11 बजे सिहमा-बाछौद मोड़ स्थित बिजली निगम कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें जिला प्रभारी एवं उकलाना विधायक नरेश शेरवाल, जिला अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया, किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर कृष्ण राव मुख्य रूप से शामिल होंगे।



श्री करणी माता मंदिर में वार्षिक महोत्सव 24 से

महेंद्रगढ़। गांव बुडीन स्थित श्री करणी माता मंदिर परिसर में श्री करणी माता मंदिर ट्रस्ट रजिस्टर्ड एवं सिद्ध पुरुष बाबा चंदा चरण सेवा संस्थान बुडीन के तत्वावधान में दो दिवसीय वार्षिक महोत्सव एवं सम्मान समारोह का आयोजन 24 व 25 अक्टूबर को श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जाएगा। वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप एडवोकेट ने बताया कि कार्यक्रम में श्री उत्तर भारतीय चरण संस्था रजिस्टर्ड नई दिल्ली व समस्त बुडीन ग्रामवासी विशेष सहयोगी की भूमिका निभाएंगे।

आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर परिजन व परिचितों का सिटी थाने में प्रदर्शन

विनोद सैनी ने किया सुसाइड, तीन किन्नर पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस

- सात पेज का सुसाइड नोट मिला, भिवानी किन्नर गुट से नारनौल किन्नर मिलने के बाद उठा ज्यादा विवाद
- मृतक की पत्नी की शिकायत पर सिटी पुलिस ने किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले में क्षेत्रवाद को लेकर कई माह से विवाद चल रहा था। भिवानी गुट यहां जिले में अपना दावा जता रहा था तो यहां नारनौल किन्नर गुट अपना क्षेत्र बता रहा था। इस दावेदारी के बीच कई बार नारनौल, महेंद्रगढ़ व नांगल चौधरी में झगड़े भी हुए। हाल ही में नारनौल किन्नर गुट ही भिवानी किन्नर गुट में जाकर मिल गया और नारनौल किन्नर गुट के प्रधान विनोद सैनी की फोटो चलाने और कई आरोप लगाते हुए की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई। इस घटनाक्रम के बाद विनोद सैनी ने अपना वीडियो बना इन बातों का जिक्र किया और बुधवार सुबह घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। मृतका की पत्नी की शिकायत पर तीन किन्नर बुलबुल, महक व टीना के खिलाफ सिटी पुलिस थाना ने बीएनएस की धारा 108, 3(5) के तहत केस दर्ज किया है। वहीं शाम करीब साढ़े चार बजे मृतक विनोद सैनी के परिजन व परिचित एकत्रित होकर आरोपितों के खिलाफ प्रदर्शन कर सिटी पुलिस थान पहुंचे और आरोपित किन्नरों की गिरफ्तारी जल्द से जल्द करने की मांग उठाई।





नारनौल। मृतक विनोद सैनी व सिटी थाना में गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन करते लोग। फोटो : हरिभूमि

विनोद सैनी की पत्नी ने यह दी शिकायत

दादरी वासी मृतक विनोद सैनी की पत्नी बनिता ने सिटी पुलिस थाने में शिकायत दी है। शिकायत में बनिता ने बताया है कि पति एक साल से परेशान थे क्योंकि उनको नारनौल की गद्दी साधना माई देकर गई थी। जो ये सही से निभा रहे थे, लेकिन करीब 10 माह से किन्नर समाज भिवानी पति को परेशान कर रही थी। उस सहित पति व बच्चों को बार-बार गलत तरीके से फंसाने की बात कर रहे थे और पति पर अलग-अलग थानों में चार पांच झूठी एफआईआर दर्ज कराई गई है और बार-बार पति को मारने की कोशिक की है और कई दिनों से बेटे अमित को भी जान से मारने की धमकियां मिल रही थी, जिसके बारे में उसने व पति ने विभिन्न थानों में, एसपी, सीएम आदि को शिकायत दी गई थी, जिस पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बुलबुल किन्नर ने नारनौल किन्नर समाज से संबंधित महक व टीना को भी अपने पक्ष में करके भड़का दिया व इन तीनों ने मिलकर पति को बार-बार अलग अलग सोशल मीडिया स्तरों से परेशान किया। पति करीब 10-15 दिन से बहुत ज्यादा परेशान थे। उन्होंने मुझे बताया कि महक किन्नर, बुलबुल किन्नर व टीना किन्नर ने अत्याधिक दबाव बना रखा है कि मुझे व तेरे पूरे परिवार को बर्बाद कर देंगे। जिससे परेशान होकर पति ने बुधवार सुबह करीब छह बजे फांसी लगा ली। जब हम सो रहे थे तो पति किन्नर डेरे में मंदिर के कमरे में गले से रस्सी डालकर लटके मिले। जिसको डेरे में सेवा करने वाली महिला ने लटका देखा। उसको बचाने की मदद करते हुए नीचे उतारा और आस पड़ोस में मौजूद लोगों को आवाज दी। जो सुनकर कई लोग वहां आए। उसके बाद हम उनको इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डेरे के मंदिर में पति की लिखाई में डायरी के सात पन्ने मिले हैं, जिस पर दोनों तरफ लिखा हुआ है, जो वह इस दरखास्त के साथ दे रही है। जिसमें पति ने अपनी मौत का कारण बुलबुल किन्नर, महक किन्नर, टीना किन्नर को बताया है। इन तीनों से परिवार के सदस्यों खासकर बच्चियों को भी परेशान करना पाया गया है। अब पुलिस से विनती की गई है कि परिवार के साथ न्याय किया जाए। तीनों आरोपितों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए और परिवार को इनसे व इनके साथियों से सुरक्षित किया जाए।

अब जिले में किन्नर बधाई के नाम पर मचेगी लूट या तय होंगी राशि

किन्नर किसी भी घर या प्रतिष्ठा पर बधाई के नाम पर पैसा मांगते है। जब किन्नरों के दो गुटों में जिले में बार-बार विवाद हुआ तो कई समाज ने अपने स्तर पर फैसले लिए कि बधाई के नाम पर अधिकतम 1100 रुपये ही दिए जाएं। ऐसा कई समाज व संगठनों ने किया। अब जबकि नारनौल किन्नर गुट भी भिवानी गुट में जाकर मिल गया है तो आमजन में यह चर्चा है कि कहीं फिर से बधाई के नाम पर लूट तो नहीं मचेगी। कई संगठन व समाज से जुड़े लोगों ने सरकार से मांग की है कि प्रशासन या सरकार बधाई के नाम पर किन्नरों को दी जाने वाली राशि तय करें ताकि बाद में आमजन से कोई विवाद ना हो।

पुलिस कार्रवाई : डीएसपी की निगरानी में होगी जांच

आत्महत्या के मामले को जिला पुलिस ने गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विरेंद्र सिंह की निगरानी में मामले की गहनता एवं निष्पक्षता से जांच के आदेश दिए है। पुलिस बयान में कहा है कि घटना से संबंधित सोशल मीडिया पर उपलब्ध सामग्री सहित सभी पहलुओं की जांच कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जांच में जिस भी व्यक्ति की संलिप्तता के साक्ष्य सामने आएंगे, उसके विरुद्ध त्वरित एवं सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला पुलिस पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनशील है तथा निष्पक्ष जांच न्यायोचित कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।

पावरग्रिड का हाईवोल्टेज तार टूटने से टला बड़ा हादसा

किसानों की फसलों को नुकसान की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

क्षेत्र के गांव बवानियां और झिंगावन के बीच से गुजर रही 765 केवी (सीकर-नरेला) पावरग्रिड लाइन का भारी-भरकम बिजली का तार बीती रात अचानक टूटकर खेतों में आ गिरा। गनीमत यह रही कि हादसा रात के समय हुआ, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा होने से बाल-बाल टल गया। हालांकि, तार टूटने और उसके बाद ग्रिड विभाग द्वारा मरम्मत कार्य चलाए जाने से किसानों की नई बिजाई की गई फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका बन गई है। ग्रामीणों के अनुसार, बीती रात अचानक एक जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी, जो काफी दूर तक गूंज गई। आवाज सुनकर जब आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि पावरग्रिड का मुख्य हाईवोल्टेज तार टूटकर खेतों में बिखरा पड़ा है।

ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार इतना मोटा और मजबूत बिजली का तार अचानक टूटकर जमीन पर गिरते देखा है। घटना के बाद बवानियां गांव के किसानों में खासा रोष और चिंता देखने को मिल रही है। किसानों का कहना है कि उन्होंने हाल ही में अपने खेतों में सरसों की बिजाई का काम पूरा किया था। फसल के बीज अभी अंकुरित ही हो रहे थे कि यह हादसा हो गया।



महेंद्रगढ़। खेत में टूटकर गिरा तार।

पीड़ित किसानों ने पावरग्रिड निगम के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि लाइन के तारों की गुणवत्ता और रखरखाव की तुरंत जांच कराई जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही न दोहराई जाए। इसके साथ ही, प्रभावित किसानों ने मांग की है कि मरम्मत कार्य के दौरान फसल को हुए नुकसान का उचित आंकलन करवाकर उन्हें जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए। सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा, संजीव, मनोहरलाल, ओमप्रकाश, बाबूलाल, अजीत आदि ने बताया कि ऐसी घटना देश में पहली हुई है। जो एक साथ तीन-तीन टूट हुए तथा उपकरण भी पिघल गए।

पूर्व सैनिक का थैला काटकर एक लाख की नकदी चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर में बुजुर्गों और बैंक से नकदी निकालकर आने वाले लोगों को निशाना बनाने वाला शातिर चोर गिरोह पूरी तरह सक्रिय है। ताजा मामले में, थाना सिटी महेंद्रगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत एक 80 वर्षीय बुजुर्ग व सेना के सेवानिवृत्त जवान को शातिर चोरों ने अपना शिकार बनाते हुए उनके थैले को ब्लेड से काटकर एक लाख रुपये की नकदी चोरी कर ली। पीड़ित ने सुबह पंजाब नेशनल बैंक महेंद्रगढ़ से 1 लाख रुपये की नकदी निकलवाई थी। इसके बाद वह सामान खरीदने के लिए सैनिक कैंटीन पहुंचे और लाइन में खड़े हो गए। पैसे उन्होंने अपने थैले में रखे हुए थे। शातिर चोरों ने मौका पाकर उनके थैले को ब्लेड से काट दिया और उसमें रखे एक लाख रुपये चोरी कर ले उड़े।

गनीमत यह है कि इस पूरी वारदात के दौरान चोरों की तस्वीरें सैनिक कैंटीन में लगे कैमरे में कैद हो चुकी हैं। पीड़ित बुजुर्ग ने थाना सिटी महेंद्रगढ़ में लिखित शिकायत देकर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई और चोरों की तलाश शुरू कर दी है।



महेंद्रगढ़। सीसीटीवी में कैद संदिग्ध।

सिलारपुर व गुजरवास में 5 वाहनों की बैटरियां चोरी

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांवों में एक ही रात्रि में लगातार पांच वाहनों की बैटरियां चोरी होने से ग्रामीणों और किसानों में भारी रोष व्याप्त है। अज्ञात चोरों ने गांव सिलारपुर और गुजरवास में निशाना साधते हुए तीन पिकअप गाड़ियों, एक ट्रैक्टर और एक ट्रक की बैटरियां उड़ा लीं। सिलारपुर निवासी अजयपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके आरओ वाटर प्लांट के पास खड़ी तीन पिकअप गाड़ियों की बैटरियां बीती रात्रि चोरी हो गईं। इसी रात्रि पड़ोसी मनीराम के ट्रैक्टर और पास के गांव गुजरवास निवासी धर्मेंद्र सिंह के ट्रक की बैटरी भी गायब मिली। एक ही रात्रि में हुई इन सिलसिलेवार चोरी की घटनाओं से सभी वाहन मालिकों को हजारों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। पीड़ितों ने पुलिस से अज्ञात आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने और चोरी किया गया सामान बरामद कराने की मांग की है।

हत्या के मामले में 5 घंटे के भीतर दो आरोपित दबोचे

नारनौल। थाना सदर पुलिस ने गांव नूनी कलां में हुई हत्या के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान सुरेंद्र व विशाल निवासी गांव नूनी कलां के रूप में हुई है। डीएसपी मुख्यालय भारत भूषण ने बताया कि 20 अक्टूबर को गांव नूनी कलां में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया था। इस संबंध में मृतक के परिजन की शिकायत पर थाना सदर में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू करते हुए आरोपियों की धरपकड़ के प्रयास तेज कर दिए। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। डीएसपी मुख्यालय ने बताया कि पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपित सुरेंद्र के विरुद्ध इससे पूर्व में कुल 10 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2002 में दो, 2003 में दो, 2004 में एक, 2006 में एक, 2007 में एक, 2016 में एक, 2021 में एक तथा 2026 में एक मुकदमा दर्ज हुआ है। इनमें आबकारी अधिनियम व मारपीट से संबंधित मामले भी शामिल हैं। वहीं, दूसरे आरोपित विशाल के विरुद्ध इससे पूर्व में एक मुकदमा दर्ज है।



नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

कार्यदिवस के 10 दिन में जर्जर प्राथमिक विद्यालय भवनों को गिरवाकर करनी होगी नीलामी प्रक्रिया

नारनौल। शिक्षा विभाग ने जर्जर प्राथमिक विद्यालय भवनों को गिराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसको लेकर शिक्षा विभाग ने नारनौल खंड के लिए आदेश जारी किए है। अतिरिक्त उपायुक्त की स्वीकृति के बाद संबंधित विद्यालय भवनों के ध्वस्तीकरण और नीलामी की प्रक्रिया आगामी 10 कार्यदिवस के भीतर पूरी करने के निर्देश जारी किए गए हैं। खंड शिक्षा अधिकारी नारनौल कार्यालय की ओर से 19 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र में संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों, मुख्याध्यापकों और मुखियाओं को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पत्र के अनुसार, जर्जर एवं अनुपयोगी प्राथमिक विद्यालय भवनों को गिराने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त, नारनौल से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। निर्देशों में कहा गया है कि संबंधित विद्यालय मुखिया अपने विद्यालय भवन के निरीक्षण और आरक्षित मूल्य (रिजर्व प्राइस) के निर्धारण के लिए संबंधित कनिष्ठ अभियंता (जेई) से तत्काल संपर्क करें। भवन का निरीक्षण करने के बाद जेई द्वारा आरक्षित मूल्य निर्धारित किया जाएगा, जिसके आधार पर आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि भवनों के ध्वस्तीकरण और नीलामी से संबंधित सभी आवश्यक कार्य निर्धारित 10 कार्यदिवस की समय-सीमा में पूरे किए जाने चाहिए।

पूर्व नगर पार्षद ने मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों व विभागों को भेजे पत्र, सभी राजमार्गों पर लगे धरोहर के संकेत बोर्ड

नारनौल को 'हेरिटेज सिटी' घोषित करने की मांग

- पुरातत्व विभाग ने भी माना—जयपुर, अहमदाबाद और मैसूर की बराबरी कर सकता है नारनौल
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृतियों से भी जुड़ा है नारनौल का संघीवाड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल शहर को आधिकारिक रूप से 'हेरिटेज सिटी' (धरोहर नगर) घोषित करने की मांग उठने लगी है। हाल ही में इस संबंध में पूर्व नगर पार्षद एडवोकेट प्रमोद तरेड़िया ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, हरियाणा के धरोहर एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग हरियाणा, हरियाणा पर्यटन निगम, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के चंडीगढ़ मंडल व उपायुक्त महेंद्रगढ़ को पत्र भेजे हैं।



अपने पत्र में प्रमोद तरेड़िया ने बताया है कि हरियाणा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग ने अपनी 2024 की पुस्तक 'द स्प्लेंडर्स ऑफ नारनौल' में स्वयं माना है कि स्थापत्य धरोहर के मामले में नारनौल में अहमदाबाद, जयपुर और मैसूर जैसे बड़े धरोहर नगरों की बराबरी करने की क्षमता है। शहर के जल महल, इब्राहिम खान सूर का मकबरा और शाह कुली खान का मकबरा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित हैं, जबकि बीरबल का छत्ता, चोर गुंबद, त्रिपोलिया द्वार, पीर तुर्कमान की दरगाह, मिर्जा अली जान का तख्त व बावड़ी, शोभा सरोवर और शाह निजाम का मकबरा राज्य सरकार द्वारा संरक्षित स्मारक हैं। उन्होंने बताया कि नारनौल के पास ढोसी पहाड़ी को महर्षि च्यवन की तपोभूमि माना जाता है। मान्यता है कि यहीं अश्विनी कुमारों ने महर्षि च्यवन के लिए च्यवनप्राश तैयार किया था। सोमवती अमावस्या पर यहां के चंद्रकूप व शिवकुंड में हजारों श्रद्धालु स्नान करते हैं। अकबर के समय नारनौल में टकसाल थी, जहां सिक्के ढाले जाते थे।

वर्ष 1672 में यहीं के सतनामियों ने औरंगजेब के अधिकारियों के अत्याचार के विरुद्ध विद्रोह किया था, और 16 नवंबर 1857 को नसीबपुर के मैदान में राव तुलाराम की सेना ने अंग्रेजों से लोहा लिया, जिसमें अनेक वीर शहीद हुए। उन्होंने बताया कि नारनौल स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृतियों से भी जुड़ा है। नारनौल के लाला शंकरलाल संघी नेताजी के निकट सहयोगी रहे। बताया जाता है कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान नेताजी नारनौल के संघीवाड़ा स्थित लाला शंकरलाल संघी की हवेली में ठहरे थे।

राजमार्गों पर लिखे 'यात्री एक ऐतिहासिक नगर की ओर जा रहे हैं'

- नारनौल को हेरिटेज सिटी घोषित कर इसकी धरोहर विकास योजना बनाई जाए और इसे प्रदेश व देश के पर्यटन सर्किट में शामिल किया जाए।
- बीरबल का छत्ता सहित सभी स्मारकों का संरक्षण हो, ढोसी पहाड़ी पर सुविधाएं विकसित हों और नसीबपुर शहीद स्मारक का काम जल्द पूरा हो।
- एनएच-49, एनएच-11, एनएच-148बी, एनएच-152डी तथा अलवर-बहरोड़ व खेतड़ी मार्ग सहित नारनौल आने वाले सभी रास्तों पर स्मारकों के चित्रों के साथ 'नारनौल -हेरिटेज सिटी' के संकेत बोर्ड लगाए जाएं।
- युवा पीढ़ी को धरोहर से जोड़ने के लिए स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों का धरोहर भ्रमण, हेरिटेज वॉक और वार्षिक नारनौल धरोहर उत्सव आयोजित हो।

पचास वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे लोग, जिन्हें बचपन में चिकन पॉक्स हो चुका है या किसी बीमारी की वजह से जिनकी इम्यूनिटी वीक है, उन्हें शिंगल्स डिजीज हो सकता है। यह बहुत पेनफुल वायरल इंफेक्शन है, जिससे बचाव के लिए वैक्सीन लगवा सकते हैं। इस बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर दे रहे हैं बहुत यूजफुल एडवाइस।

पेनफुल डिजीज शिंगल्स वैक्सीन से संभव है बचाव



प्रिकॉशन



डॉ. विपुल गुप्ता
सीनियर फिजिशियन
नई दिल्ली

शिंगल्स रोग को हर्पीस जोस्टर भी कहा जाता है। यह वेरिसेला जोस्टर वायरस के इंफेक्शन से होने वाला एक पेनफुल डिजीज है। यह उन लोगों को हो सकता है, जिन्हें बचपन में कभी चिकन पॉक्स हो चुका है। दरअसल, चिकन पॉक्स ठीक होने के बाद उसके वायरस इनएक्टिव फॉर्म में रोगी के टिश्यूज में या स्पाइनल कॉर्ड की नर्व्स में पड़े रहते हैं। फिर जब व्यक्ति पचास वर्ष की उम्र को पार कर लेता है, किसी बीमारी की वजह से उसकी इम्यूनिटी वीक हो जाती है तो ये वायरस फिर से एक्टिव होकर उसकी बॉडी स्किन के किसी एक पार्ट पर छोटे-छोटे वेसिकल्स के रूप में सामने आ सकते हैं, जिसे शिंगल्स कहते हैं। इस रोग के होने की आशंका उन लोगों में ज्यादा होती है, जिन्हें डायबिटीज, बीपी, कैंसर, अस्थमा जैसे रोग होते हैं, क्योंकि उनकी इम्यूनिटी काफी कमजोर हो जाती है।



शिंगल्स के लक्षण: शिंगल्स, बॉडी के किसी एक निश्चित पार्ट की स्किन पर छोटे-छोटे दानों या पानी वाले फफोलों के रूप में होता है। ज्यादातर शरीर के ऊपरी हिस्से यानी थोरेसिक पार्ट में, आंखों के पास या बैक पार्ट में स्पाइन के आस-पास की स्किन पर होता है।

शिंगल्स होने से पहले स्किन के उस पार्ट में बहुत ज्यादा दर्द महसूस होता है। फिर उसी स्थान पर तीन से पांच दिनों के बाद इसके वेसिकल्स प्रकट होते हैं। फिर इनमें पानी भर जाता है। इससे जुड़ा सबसे कॉम्प्लीकेटेड आस्पेक्ट, पोस्ट हरपेटिक न्यूराल्जिया है। इसमें कुछ पेशेंट्स को शिंगल्स के ठीक होने के बाद भी कई दिन, महीने या कभी-कभी एक साल तक करेंट लगने जैसा पेन होता रहता है।

अब उपलब्ध है वैक्सीन: शिंगल्स के मामले में अच्छी बात यह है कि अब इससे बचाव के लिए इफेक्टिव वैक्सीन उपलब्ध है। हालांकि वैक्सीन पहले भी उपलब्ध थीं लेकिन वो ज्यादा इफेक्टिव नहीं होती थीं और उनके कुछ साइड इफेक्ट्स भी होते थे। लेकिन अब शिंगरिक्स नामक वैक्सीन की दो डोज इससे बचाव करने में काफी कारगर है। इस वैक्सीन की दो डोज को दो से छह महीने के अंतराल पर लगाया जाता है। इसकी एफिशिएंसी 90 प्रतिशत से ज्यादा पाई गई है। इसलिए पचास वर्ष से ऊपर के ऐसे लोग, जिन्हें बचपन में स्मॉल या चिकन पॉक्स हो चुका है या जो बीपी, शुगर, अस्थमा के पेशेंट हैं या फिर जो इम्यूनोथेरेपी ले रहे हैं, वे शिंगल्स जैसे पेनफुल डिजीज से बचने के लिए यह वैक्सीन अपने डॉक्टर से कंसल्ट कर लगवा सकते हैं।

ट्रीटमेंट का तरीका: जहां तक शिंगल्स के उपचार की बात है तो इसके पेशेंट्स को एंटीवायरल मेडिसिन दी जाती हैं। चूंकि यह बहुत पेनफुल डिजीज है, इससे राहत के लिए कई बार पेशेंट की कंडीशन के अनुसार नर्व्स को सुन्न करने वाली दवाएं भी दी जाती हैं। लेकिन इन दवाओं को देने के बाद भी कई बार पेशेंट को दर्द से पूरी राहत नहीं मिल पाती है। पेशेंट अपने रोजमर्रा के काम भी नहीं कर पाता है। इसीलिए इससे बचाव के लिए वैक्सीन लगवाना ही कारगर उपाय है। *

प्रस्तुति: विज्ञान भूषण

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. राजेश कालिटा
जनरल मेडिसिन स्पेशलिस्ट, दिल्ली

बदलते मौसम में बढ़ जाता है कई बीमारियों के होने का रिस्क

मौसम में बदलाव का असर केवल तापमान पर ही नहीं, बल्कि हमारी सेहत पर भी पड़ता है। कभी सुबह और शाम हल्की ठंडक, तो कभी दिन में गर्मी, उमस, बारिश और बढ़ता वायु प्रदूषण शरीर के लिए कई तरह के रोगों के होने का रिस्क बढ़ा देता है। इनसे बचाव के लिए पूरी सावधानी बरतते हुए यहां दिए जा रहे सुझावों पर अमल करें।







इन दिनों मौसम में बदलाव हो रहा है। सुबह-शाम, रात में ठंड तो दिन में गर्मी लगती है। मच्छरों का प्रकोप और प्रदूषण भी बढ़ रहा है। इससे कई बीमारियों का रिस्क बढ़ गया है।

इन रोगों का बढ़ता है रिस्क

सर्दी-जुकाम और फ्लू: यह इस मौसम की सबसे आम समस्या है। इसमें नाक बहना या बंद होना, छींकें आना, गले में खराश, हल्का बुखार, बदन दर्द और थकान जैसे लक्षण दिखते हैं। सामान्य जुकाम आमतौर पर 5-7 दिन में ठीक हो जाता है, जबकि फ्लू (इंफ्लूएंजा) में बुखार तेज होता है और कमजोरी अधिक रहती है। यह एक व्यक्ति से दूसरे में खांसने-छींकने और हाथ मिलाने से आसानी से फैलता है।

गले का संक्रमण: टॉन्सिलाइटिस और फेरिन्जाइटिस जैसे गले के संक्रमण में गले में दर्द, निगलने में तकलीफ, आवाज बैठना और कभी-कभी बुखार होता है। ठंडी चीजों का सेवन और अचानक तापमान बदलना इसके प्रमुख कारण हैं। बच्चों में यह समस्या अधिक देखी जाती है।

खांसी और ब्रोंकाइटिस: लगातार खांसी, सीने में जकड़न, बलगम और सांस लेते समय घरघराहट, ब्रोंकाइटिस के लक्षण हो सकते हैं। यदि खांसी दो-तीन हफ्ते से अधिक चले, तो डॉक्टर को अवश्य दिखाना चाहिए।

एलर्जी और अस्थमा: धूल, धुएं, परागकणों और प्रदूषण के कारण आंखों में खुजली, लगातार छींकें, नाक से पानी बहना और त्वचा पर चकत्ते हो सकते हैं। अस्थमा या दमे के मरीजों में सांस फूलना, सीटी जैसी आवाज और सीने में भारीपन बढ़ जाता है। प्रदूषण के दिनों में यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

वायरल फीवर: इसमें तेज बुखार, सिरदर्द, बदन टूटना, कमजोरी और कभी-कभी उल्टी या दस्त की शिकायत होती है। यह आमतौर पर 3 से 5 दिन में ठीक हो जाता है, पर आराम और पर्याप्त तरल पदार्थ जरूरी हैं।



डेंगू और मलेरिया: बरसात के बाद मौसम बदलने के दौरान रुके हुए पानी में मच्छर पनपते हैं। डेंगू, एडीज मच्छर के काटने से होता है, जिसमें तेज बुखार, तेज सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द तथा शरीर पर दाने हो सकते हैं। मलेरिया में ठंड लगकर बुखार आता है और पसीना आकर उतर जाता है। इन दोनों बीमारियों में देरी करना जानलेवा हो सकता है, इसलिए तुरंत जांच कराना आवश्यक है।

पेट के संक्रमण: दूषित पानी और बासी भोजन से दस्त, उल्टी, पेट दर्द, फूड पॉइजनिंग, टाइफाइड और पीलिया (हेपेटाइटिस-ए) जैसी बीमारियां हो सकती हैं। इनमें शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) सबसे बड़ा खतरा है।

जोड़ों का दर्द और अकड़न: ठंडे और नम मौसम में गठिया के रोगियों और बुजुर्गों के जोड़ों का दर्द बढ़ जाता है। सुबह उठने पर अकड़न महसूस होती है।

त्वचा और आंखों की समस्याएं: मौसम में नमी, धूल, प्रदूषण और एलर्जी के कारण त्वचा में खुजली, चकत्ते, रूखापन तथा आंखों में जलन या पानी आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पसीने और नमी के कारण कुछ लोगों में फंगल संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है।

रोगों के कारण

इस मौसम में होने वाले तमाम तरह के रोगों के कई कारण हो सकते हैं।

तापमान में उतार-चढ़ाव: दिन में गर्मी और रात में ठंड होने से शरीर को बार-बार अपना तापमान संतुलित करना पड़ता है। इससे शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है।

वायरस का संक्रमण: फ्लू और सर्दी-जुकाम के वायरस ठंडे और शुष्क मौसम में ज्यादा सक्रिय रहते हैं।

नमी और गंदा पानी: बरसात के बाद जगह-जगह पानी जमा हो जाता है, जिसमें मच्छर पनपते हैं। साथ ही दूषित पानी से पेट की बीमारियां फैलती हैं।

एलर्जी के कारक: धूल, परागकण (पोलन), फफूंद और प्रदूषण के कण हवा में बढ़ जाते हैं, जो एलर्जी और दमे के रोगियों को परेशान करते हैं।

खान-पान में लापरवाही: मौसम के अनुसार खान-पान और सोने-जागने के समय में बदलाव न करने से भी शरीर बीमार पड़ जाता है।

बचाव है संभव

इस मौसम में होने वाले रोगों से बचने के लिए आप कुछ उपाय आजमा सकते हैं।

लें पौष्टिक आहार: घर का ताजा और गर्म खाना खाएं। बाहर का खुला और तला-भुना भोजन, कटे हुए फल और बासी खाने से बचें। मौसमी फल, हरी सब्जियां, दालें, साबुत अनाज और प्रोटीन युक्त भोजन लें। विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थ, जैसे अमरूद, आंवला, संतरा और नीबू का सेवन करें। भोजन में हल्दी, अदरक, लहसुन, तुलसी और काली मिर्च का प्रयोग करें, जो प्राकृतिक रूप से संक्रमण से लड़ने में सहायक माने जाते हैं। सूखे मेवे, दालें और अंकुरित अनाज प्रोटीन और ऊर्जा के अच्छे स्रोत हैं। बहुत अधिक मीठे पेय पदार्थों और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित रखें।

हाइड्रेशन का रखें ध्यान: हमेशा उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं। दिनभर में पर्याप्त पानी पिएं। गुनगुना पानी, सूप, दाल का पानी और अदरक-तुलसी का काढ़ा भी लाभकारी है।

बीमार व्यक्ति से रहें दूर: सर्दी-खांसी वाले व्यक्ति से उचित दूरी बनाएं। यदि आप स्वयं बीमार हैं, तो घर पर आराम करें, ताकि संक्रमण दूसरों तक न फैले। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को टिश्यू या कोहनी से ढकें। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें।

पर्सनल हाइजीन का रखें ध्यान: हाथों को साबुन से कम से कम 20 सेकेंड तक धोएं, खासकर खाने से पहले, शौचालय के बाद और बाहर से आने पर। आंख, नाक और मुंह को बिना हाथ धोए न छुएं।

पहनें सही ड्रेस: परतों में ड्रेसेस पहनें, ताकि गर्मी या ठंड के हिसाब से उन्हें कम या ज्यादा किया जा सके। सुबह-शाम की ठंड से बचने के लिए हल्का जैकेट या शॉल साथ रखें। पसीने में भीगे कपड़े तुरंत बदलें और अचानक एसी या ठंडे कमरे से तेज गर्मी में न जाएं। एसी का तापमान 24-26 डिग्री से कम न रखें।

नाक, गले की देखभाल: जुकाम की शुरुआत में दिन में एक-दो बार भाप लें। गुनगुने पानी में चुटकी भर नमक डालकर दिन में 2-3 बार गरारे करें। सलाइन नेजल स्प्रे या ड्रॉप, धूल और एलर्जी में आराम देते हैं।

मच्छरों से सुरक्षा: घर के आस-पास पानी जमा न होने दें। कूलर, गमलों, टायरों और छत पर रखे बर्तनों का पानी हर सप्ताह बदलें या खाली करें। खिड़कियों पर जाली लगवाएं और सोते समय मच्छरदानी या रिपेलेंट का उपयोग करें। पूरी बांह के कपड़े पहनें, खासकर सुबह और शाम के समय। नालियों की सफाई और कीटनाशक के छिड़काव में सहयोग करें।

प्रदूषण से करें बचाव: बाहर निकलने से पहले वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) देखें। प्रदूषण अधिक होने पर बाहरी गतिविधियां कम करें और जरूरत के अनुसार अच्छी फिटिंग वाला एन-95 मास्क पहनें। सुबह की सैर तब करें जब हवा की गुणवत्ता बेहतर हो। प्रदूषण अधिक हो तो घर के अंदर हल्का व्यायाम करें। प्रदूषण अधिक होने पर खुले में व्यायाम करने से बचें। घर में एयर प्यूरीफायर या घर के अंदर लगाए जाने वाले पौधे उपयोगी हो सकते हैं। दमे और एलर्जी के मरीज अपनी दवाइयां और इनहेलर हमेशा साथ रखें। सार्वजनिक जगहों पर खासकर बंद जगहों (बस, मेट्रो, बाजार) में जाना यथासंभव अवॉयड करें। जरूरत के अनुसार मास्क पहनें।

करें व्यायाम: प्रतिदिन 5-10 मिनट डीप ब्रीदिंग, अनुलोम-विलोम करें। कम से कम 30 मिनट टहलें, योग या प्राणायाम करें। तनाव कम करने के लिए ध्यान, संगीत या परिवार के साथ समय बिताएं। रोज 7 से 8 घंटे की नींद भी जरूर लें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

इन बातों का भी रखें ध्यान



गुनगुने पानी से गरारे, अदरक-तुलसी की चाय, हल्दी वाला दूध और भाप लेना हल्के सर्दी-जुकाम में आराम पहुंचा सकता है। लेकिन यदि लक्षण गंभीर हों या कुछ दिनों में ठीक न हों, तो घरेलू नुस्खों पर निर्भर रहने की बजाय चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए। बच्चों को स्कूल भेजते समय मौसम के अनुसार कपड़े पहनाएं, हैंड हाइजीन रखना सिखाएं और उन्हें ठंडे पेय और आइसक्रीम से कुछ समय के लिए दूर रखें। बुजुर्गों को नियमित दवाइयां समय पर देना, गर्म कपड़े पहनाना और ब्लड प्रेशर तथा शुगर की जांच कराते रहना जरूरी है। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा, विशेषकर बुखार या खांसी की सिरप न दें। इंफ्लूएंजा वैक्सीन लगवा सकते हैं। लेकिन बच्चों, 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों, गर्भवती महिलाओं, दमा, मधुमेह या हृदय रोग से पीड़ित लोगों को इसके बारे में डॉक्टर से सलाह लें।

हर्बल जोन

रेखा देशराज

आंवले का सेवन करना है फायदेमंद

इन दिनों सब्जी-फल मार्केट में आंवला खूब बिक रहा है। यह सिर्फ विटामिन-सी का भंडार ही नहीं है बल्कि कई रोगों से बचाव में भी सहायक है। इसीलिए हमारे खान-पान से लेकर अनेक तरह की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में आंवले का प्रयोग सदियों से हो रहा है। कभी दादी-नानी के मुरब्बे, कभी खट्टी, कसैली या तीखी स्वाद वाली चटनी, तो कभी आंवले का जूस, कभी आंवले का अचार। इस फल को अनेक तरीकों से सेहत और स्वाद दोनों के लिए खाया जाता है।

विटामिन-सी का खजाना: आंवले की सबसे बड़ी पोषण विशेषता इसमें मौजूद विटामिन-सी है। यह विटामिन शरीर में कोलेजन के निर्माण, घाव भरने की प्रतिरक्षा तंत्र के सामान्य कामकाज में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आंवला एक एंटीऑक्सीडेंट है, जो कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव क्षति से बचाने में मददगार होता है। आंवला खाना शरीर को जरूरी पोषण देने का एक तरीका है। लेकिन इसे किसी बीमारी का पूर्णतः इलाज नहीं समझना चाहिए।



ये भी होते हैं पोषक तत्व: आंवले में विटामिन-सी के अलावा भी अनेक महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं। मसलन पॉलिफेनॉल जैसे जैव सक्रिय यौगिक। ये यौगिक शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव से जुड़ी प्रक्रियाओं पर प्रभाव डाल सकते हैं। यह रक्त में वसा के स्तर, रक्त शर्करा और शरीर में सूजन से संबंधित समस्याओं पर बेहद सकारात्मक परिणाम देता है।

नियमित रूप से आंवला खाने से मधुमेह, हृदय रोग या दूसरी गंभीर बीमारियों की रोकथाम में मदद मिलती है।

रखें ध्यान: जिन लोगों को गुर्दे की पथरी की समस्या हो, उन्हें विशेष रूप से अधिक मात्रा में आंवले का रस या इस पर केंद्रित सप्लीमेंट लेने से पहले अपने डॉक्टर से इस पर गंभीरता से सलाह लेना चाहिए। अधिक चीनी वाले आंवले का मुरब्बा भी सीमित मात्रा में सेवन करने चाहिए। डॉक्टर से कंसल्ट कर ही इसकी मात्रा निर्धारित करें।

ऐसे करें सेवन: ताजा आंवला अच्छी तरह धोकर काटें और अपनी सहनशीलता के अनुसार थोड़ी मात्रा से खाना शुरू करें।

चटनी के रूप में आंवला खाने के लिए इसे धनिया, पुदीना और दूसरे मसालों के साथ तैयार कर सकते हैं। कद्दूकस किया हुआ आंवला गाजर या खीरे के सलाद में डालकर खा सकते हैं। बिना अतिरिक्त चीनी वाले आंवला के रस को पिएं, लेकिन इसे पानी का विकल्प न मानें। आंवले का मुरब्बा या कैंडी खाते समय चीनी की मात्रा का ध्यान जरूर रखें। *

प्रिकॉशन

ललिता गोयल

अगर आप भी अकसर अपनी गोद में लैपटॉप रखकर काम करते हैं तो सावधान हो जाएं, क्योंकि इससे कई तरह के हेल्थ इश्यूज हो सकते हैं। इन प्रॉब्लम्स और इनसे बचने के उपायों के बारे में जानिए।

क्या आप भी करते हैं गोद में लैपटॉप लेकर काम



आज के डिजिटल दौर में कंप्यूटर और लैपटॉप हम सबकी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। पढ़ाई हो, ऑफिस का काम हो या ऑनलाइन मीटिंग, घंटों लैपटॉप के सामने बिताना अब आम बात हो गई है और अकसर लोग टेबल-कुर्सी पर बैठने के बजाय लैपटॉप को गोद में रखकर काम करना आसान समझते हैं। चाहे सोफे पर या बिस्तर पर बैठना हो गोद में लैपटॉप रखकर काम करना आरामदायक और सुविधाजनक लगता है, लेकिन ऐसा करना सेहत के लिए बेहद हार्मफुल साबित हो सकता है। लैपटॉप से निकलने वाली हीट त्वचा और अंदरूनी टिशू को प्रभावित करती है, जिससे शरीर को कई तरह की गंभीर परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। यहां जानते हैं कि लैपटॉप को गोद में रखकर काम करने से आपको किन दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

आंखों पर असर: लंबे समय तक पास रखकर लैपटॉप पर काम करने से आंखों में ड्रायनेस, सूजन, पानी आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

नींद न आना: गोद में लैपटॉप रखकर काम करते समय स्क्रीन आंखों के काफी करीब होती है। इससे निकलने वाली नीली रोशनी आंखों में सूखापन, जलन और थकान पैदा करती है। इसके कारण मस्तिष्क में 'मेलाटोनिन' हार्मोन का बनना कम हो जाता है, जिससे नींद न आने की समस्या होती है।

पुरुषों में इनफर्टिलिटी: पुरुषों में लैपटॉप की हीट का असर महिलाओं से ज्यादा होता है। जब लैपटॉप गोद में रखा होता है, तो स्क्रोटम का तापमान बढ़ जाता है। ज्यादा तापमान होने से पुरुषों की स्पर्म क्वालिटी कमजोर होने लगती है और इस वजह से फर्टिलिटी में समस्या आ सकती है और प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है।

रेडिएशन का असर: लैपटॉप को ज्यादा देर तक गोद में रखकर काम करने से लैपटॉप से निकलने वाली हीट लो फ्रीक्वेंसी रेडिएशन छोड़ते हैं और ब्लूटूथ कनेक्शन से ही रेडिएशन बाहर आती है और इस वजह से सिर दर्द की समस्या हो सकती है।

स्किन इंफेक्शन: लैपटॉप से निकलने वाली गर्म हवा के कारण त्वचा में जलन होने लगती है। लैपटॉप से निकलने वाली हीट के कारण स्किन पर रेड रैशेज आ सकते हैं। लंबे समय तक स्किन के संपर्क में लैपटॉप रखने से असामान्य त्वचा में छोटे-छोटे दाने हो सकते हैं।

पॉस्चर प्रॉब्लम: गोद में लैपटॉप रखकर इस्तेमाल करते रहने से कमर दर्द की समस्या हो सकती है। इससे शरीर के पॉस्चर पर भी असर हो सकता है। गर्दन में दर्द की शिकायत भी हो सकती है।

पीठ और कंधों में दर्द: गोद में लैपटॉप रखकर काम करते समय स्क्रीन आपकी आंखों के लेवल से काफी नीचे होती है। इस वजह से आपको गर्दन झुकाकर बैठना पड़ता है। लगातार इस स्थिति में रहने से रीढ़ की हड्डी का प्राकृतिक आकार बिगड़ने लगता है, जिससे सर्वाइकल, स्पॉन्डिलाइटिस और पीठ के निचले हिस्से में तेज दर्द की समस्या हो जाती है।

बचने के लिए क्या करें: इन सभी समस्याओं से बचने के लिए आप इन उपायों पर गौर कर सकते हैं।

- हमेशा लैपटॉप को एक टेबल पर रखकर इस्तेमाल करें।
- टेबल न हो, तो कुशन वाले लैप डेस्क या कूलिंग पैड का इस्तेमाल करें ताकि लैपटॉप की गर्मी सीधे शरीर तक न पहुंचे।
- हर 20 मिनट के काम के बाद 20 सेकेंड के लिए 20 फीट दूर किसी वस्तु को देखें।
- अपनी आदतों में यह छोटा-सा बदलाव करके आप रीढ़ की हड्डी, त्वचा और संपूर्ण सेहत को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं। *

(जनरल फिजिशियन डॉ. तृप्ति अग्रवाल से बातचीत पर आधारित)

अवेयरनेस

डॉ. नरेश कुमार
सीनियर जनरल फिजिशियन
एलएनजेपी अस्पताल, दिल्ली

हालांकि देश में पोलियो इरेडिकेशन प्रोग्राम से वाइल्ड पोलियो वायरस से मुक्ति मिल चुकी है, लेकिन इस दिशा में निरंतर प्रयास करते रहना जरूरी है। वर्ल्ड पोलियो डे (24 अक्टूबर) के अवसर पर जानिए इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

पोलियो से बचाव के लिए सतर्कता बरतना है जरूरी

पोलियो को चिकित्सा विज्ञान में पोलियोमाइलाइटिस कहा जाता है। यह बीमारी पोलियो वायरस के कारण होती है, जो मुख्य रूप से मुंह के रास्ते शरीर में प्रवेश करता है और आंतों में अपनी संख्या बढ़ाता है। कुछ मामलों में वायरस रक्त के माध्यम से केंद्रीय तंत्रिका तंत्र तक पहुंचकर उन तंत्रिका कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है, जो मांसपेशियों की गतिविधियों को नियंत्रित करती हैं। इससे मांसपेशियों में कमजोरी या स्थाई लकवा हो सकता है। कुछ मामलों में यह सांस की मांसपेशियों को भी प्रभावित करता है, जिससे जान भी जा सकती है।



बच्चों को ज्यादा रिस्क: पोलियो एक गंभीर संक्रामक बीमारी है। इसे 'बच्चों का लकवा' भी कहा जाता है। हालांकि यह बीमारी किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है, लेकिन पांच साल से कम उम्र के बच्चों में इसका खतरा अधिक होता है। लगभग 200 संक्रमित बच्चों में से किसी एक में गंभीर रूप दिखता है, यानी पैरालिटिक पोलियो। लकवाग्रस्त बच्चों में से 5 से 10 प्रतिशत की मौत भी हो सकती है।

क्या है स्थिति: डब्ल्यूएचओ के अनुसार वैक्सीन की बदौलत आज दुनिया भर में पोलियो की बीमारी लगभग खत्म हो चुकी है। भारत में भी 'दो बूंद जिंदगी की' संदेश लेकर चला पल्स पोलियो अभियान काफी कारगर रहा। फिर भी इसके वाइल्ड पोलियो वायरस और वैक्सीन डिराइव्ड पोलियो वायरस का खतरा कई देशों में अभी भी मौजूद है। इसीलिए भारत में रुटीन इम्यूनाइजेशन के तहत बच्चों को ओपीवी और आईपीवी की खुराकें दी जाती हैं और समय-समय पर पल्स पोलियो अभियान चलाए जाते हैं।

कैसे फैलता है: पोलियो वायरस इंसान के शरीर में मुंह के रास्ते दाखिल होता है। इसका मुख्य तरीका फीकल-ओरल रूट है, यानी दूषित पानी या खाना, साफ-सफाई की कमी, संक्रमित व्यक्ति के मल के संपर्क में आना। कभी-कभी खांसी या छींक के जरिए भी यह फैल सकता है। वायरस आंत में बढ़ता है और संक्रमित व्यक्ति के मल के जरिए हफ्तों तक बाहर निकलता रहता है। इसीलिए जहां सैनिटेशन कमजोर होता है, वहां यह तेजी से फैलता है।

रोग के लक्षण: पोलियो के ज्यादातर संक्रमित लोगों (लगभग 70 प्रतिशत से ज्यादा) में कोई लक्षण दिखते ही नहीं, लेकिन वे दूसरों को वायरस फैला सकते हैं। कुछ लोगों में हल्के लक्षण होते हैं। इनमें बुखार, थकान, सिरदर्द, उल्टी, गर्दन में अकड़न, हाथ-पैरों में दर्द, मांसपेशियों में कमजोरी, गंभीर मामलों में हाथ या पैर में अचानक ढीलापन और लकवा होना।

पोलियो का इलाज: पोलियो का कोई प्रॉपर परफेक्ट इलाज नहीं है। एक बार लकवा हो जाए तो उसे ठीक नहीं किया जा सकता। इलाज सिर्फ सपोर्टिव होता है- आराम, दर्द की दवा, फिजियोथेरेपी, ब्रेसेस या कैलिपर्स और गंभीर मामलों में सांस के लिए वेंटिलेटर। इसीलिए रोकथाम ही सबसे कारगर उपाय है।

बचाव के उपाय: पोलियो से बचाव के लिए टीकाकरण और संक्रमण की रोकथाम बेहद महत्वपूर्ण हैं। पोलियो से बचने के लिए मुख्य रूप से दो प्रकार के टीकों का इस्तेमाल किया जाता है। ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी), जो मुंह में बूंदों के रूप में दी जाती है। इनएक्टिवेटेड पोलियो वैक्सीन (आईपीवी) यह इंजेक्शन के माध्यम से दी जाती है। बच्चों को समय पर इसकी सभी खुराकें दिलाएं। 5 साल से कम उम्र के हर बच्चे को ओपीवी की डोज पिलाएं, चाहे उसे पहले सारी खुराकें मिल चुकी हों। साफ-सफाई और स्वच्छता का ध्यान रखें। खाना खाने से पहले साबुन से हाथ धोएं। साफ और सुरक्षित पीने का पानी इस्तेमाल करें। पानी उबालकर या फिल्टर करके पिएं। *

प्रस्तुति: सृजन अरोड़ा

नए सचिव की बनाई गई व्यवस्था से किसानों की कतार में कुछ हद तक आई कमी

कनीना मंडी में अब तक 227377 क्विंटल बाजरे की हो चुकी खरीद

किसानों के लिए मंडी में बिजली, पानी और बैठने की व्यवस्था की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना


मंडी में बाजरे से लदे वाहनों की कतार

नई अनाज मंडी में बाजरे की आवक लगातार जारी है। बुधवार तक 8305 गेटपास के माध्यम से 227377 क्विंटल बाजरे की खरीद की जा चुकी है। मार्केट कमेटी के नए सचिव जितेंद्र सिंह की ओर से दो दिन पूर्व कमान संभालने तथा धर्म कांटे को लेकर बनाई गई व्यवस्था के बाद किसानों की कतार में कुछ हद तक कमी आई है। जिसे लेकर किसानों ने राहत की सांस ली है। बता दें कि इससे पूर्व मंडी में व्यवस्था बनाने एवं खरीद कार्य में गड़बड़ी के चलते मार्केटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक धर्मेंद्र सिंह की ओर से तीन सदस्य फ्लाइंग टीम मंडी में भेजी थी। इस तीन सदस्यीय टीम में जींद जिले के डीएमईओ श्रीभगवान मुदगिल, लेखाकार सुरेंद्र पूनिया व मंडी सुपरवाइजर जयभगवान शामिल थे। जिन्होंने बाजरे की आवक, खरीद अधिक रजिस्टर एवं स्टॉक कम पाए जाने तथा गेटपास के रिकार्ड का अवलोकन किया था। खामी मिलने पर टीम ने इसकी जांच रिपोर्ट सीए के सामने प्रस्तुत की, तो तत्काल प्रभाव से मार्केट कमेटी के सहायक सचिव अजीत सिंह व मंडी सुपरवाइजर कुलदीप सिंह को निलंबित कर दिया था। बता दें कि मार्केटिंग बोर्ड की ओर से मंडी गेट पर दो धर्मकांटे लगाए गए थे, जिनमें से एक को जानबूझकर खराब करने की बात कही जा रही है, जबकि खरीद कार्य से पूर्व धर्म कांटे को सुचारू किया जाना चाहिए था। मार्केट कमेटी के सचिव जितेंद्र सिंह की ओर से बाजरा खरीद के लिए गेट पास जारी करने एवं वजन कराने के लिए बाहर के धर्म कांटे को स्वीकृत करने की व्यवस्था बनाई है जिससे किसानों की कतार कम हुई है। उन्होंने बताया कि प्राइवेट एजेंटों द्वारा 2300 से 2350 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बाजरे की खरीद की जा रही है। किसानों की सुविधा के लिए मंडी में साफ-सफाई, बिजली,पानी तथा बैठने की व्यवस्था की गई है।

10-10 गांवों के किसानों के लिए नया रोस्टर जारी

मार्केट कमेटी के सचिव जितेंद्र सिंह ने बताया कि 23 अक्टूबर को अगिहार, बेवल, भडफ, बागोत, भोजावास, चेलावास, छितरौली, धनौंदा, दौंगड़ा अहीर व दौंगड़ा जाट तथा 24 अक्टूबर को गाहडा, गुढ़ा, गोमली, गोमला, इसराना, झाड़ली, झिगावन, ककराला, कलवाड़ी, करीरा व कपूरी गांवों के किसानों का बाजरा खरीदा जाएगा। इस मौके पर आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान पूर्णचंद सहरावत, सुभाष चंद, नितिन कुमार, दीपक गुप्ता, राजेंद्र सिंह, पुजारी सुदरह, राधेश्याम शर्मा, अमित कुमार, पिंटू, सुरेश कुमार, अशोक कुमार, नरेश कुमार, कंवर सिंह उपस्थित थे।

श्रीकृष्णा स्कूल में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़


महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्रीकृष्णा स्कूल में प्राइमरी विंग के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा चौथी व पांचवीं के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय दिया। प्राइमरी हेड नत्थूराम ने बताया कि बुधवार को आयोजित प्रतियोगिता में बच्चों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। प्रतियोगिता में सुभाष चंद्र बोस हाउस व स्वामी विवेकानंद हाउस के संयुक्त दल से तनिक, आदित्या, हर्षित, वेदिका, आराध्या, अनवी, वान्या और पल्लवित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वहीं, भगत सिंह हाउस व एपीजे अब्दुल कलाम हाउस के संयुक्त दल से माही, दिव्या, हर्षित, कुनाल, अनीता, दीक्षा, प्रज्ञा और भूमिका ने दूसरा स्थान हासिल किया।

चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के मानसिक विकास और बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने में बेहद सहायक होती हैं। सीईओ कर्मवीर राव व डा. कविता राव ने कहा कि जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में भाग लेना और अपनी कमियों से सीखना है। प्राचार्य रवि प्रकाश ने कहा कि कठिन परिश्रम और निरंतर अभ्यास ही सफलता की असली कुंजी है। मेडल जीतने वाले बच्चों के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों ने सराहनीय प्रयास किया।

नेत्रहीन कन्या विद्यालय के प्रधान की पत्नी का निधन



नारनौल। नेत्रहीन कन्या विद्यालय के प्रधान व समाजसेवी धर्मचंद छाबड़ा की पत्नी चंद्रकला (79 वर्ष) का निधन हो गया। वे धार्मिक और सामाजिक प्रवृत्ति की महिला थी। धर्मचंद छाबड़ा आदर्श सनातन सभा के प्रधान, अरोड़ा सभा के संरक्षक और नेत्रहीन कन्या विद्यालय के प्रधान के रूप में समाजसेवा में सक्रिय हैं। इस दुखद निधन से शहर में शोक की लहर है।

धनौंदा में कन्या जन्म पर किया कुआं पूजन



नारनौल। धनौन्दा निवासी पूनम पत्नी संजय प्रजापत के घर नवजात कन्या हेमा कुमारी का कुआं पूजन धूमधाम से किया गया। महिलाओं ने डीजे के साथ नाच-गाकर कुआं पूजन की रस्म पूर्ण की और दावत आयोजित की गई। प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो बसपा नेता अतरलाल ने कन्या की माता पूनम तथा परिवार को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि परिवार ने कन्या का कुआं पूजन कर समाज को नारी शक्ति के प्रति श्रद्धा सम्मान और समानता का संदेश दिया है। उन्होंने इस प्रेरणादायी कार्य के लिए परिवार की सराहना की। इस मौके पर कन्या की दादी खजानी, रोशनी, शकुंतला, सुशीला, सुनिता, नेहा, अनिता, नौरंग, नारायण, हीरालाल, मुंशी, अजीत, पूर्ण, सोमदत, मनोज, भूपेन्द्र आदि उपस्थित थे।


सतनाली मंडी। रामलीला का मंचन करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

श्रीराम के राजतिलक के साथ रामलीला का समापन

सतनाली मंडी। न्यू रामलीला कमेटी सतनाली की ओर से कस्बे में भैरव मंदिर के पास आयोजित रामलीला के अंतिम दिन इंद्रजीत वध, कुंभकर्ण वध, रावण वध तथा श्रीराम के राजतिलक की लीला का भव्य मंचन किया गया। इसी के साथ रामलीला का विधिवत समापन हो गया। अंतिम दिन की रामलीला का मुख्य अतिथि नरेश शेखावत ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि दिवान शेखावत ने कहा कि रामलीला भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। रामलीला के मंचन में दिखाया गया कि भगवान श्रीराम की सेना और रावण की सेना के बीच भीषण युद्ध होता है। युद्ध के दौरान लक्ष्मण द्वारा इंद्रजीत का वध किया जाता है। इसके बाद कुंभकर्ण युद्धभूमि में उतरता है, लेकिन भगवान श्रीराम उसका भी वध कर देते हैं। अंत में भगवान श्रीराम और रावण के बीच निर्णायक युद्ध होता है, जिसमें श्रीराम रावण का वध कर अधर्म पर धर्म की विजय स्थापित करते हैं। रावण वध के दृश्य के दौरान पूरा रामलीला परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। भगवान पशुराम सोसायटी प्रधान शिवकुमार शास्त्री ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें माता-पिता का सम्मान करने, बड़ों की आज्ञा का पालन करने, परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने तथा अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है। इस मौके पर कमेटी प्रधान विक्रम शेखावत, डायरेक्टर नरपाल शेखावत, मंच सचालक मा. कमल शेखावत, प्रेम पारीक, महेश माधोगढ़िया, राजेंद्र शर्मा उपस्थित रहे।

विद्या भारती स्कूल में डांडिया उत्सव

- कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा की आरती जय अम्बे गौरी के साथ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल


नारनौल। उत्सव में भाग लेता स्कूल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में डांडिया उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों से समारोह को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा की आरती जय अम्बे गौरी के साथ किया गया। संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव, वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, मैनेजिंग डायरेक्टर एडवोकेट पियूष यादव, डायरेक्टर डॉ. रविंद्रा यादव, प्राचार्य अजीत सिंह, उप प्राचार्य प्रवीण कुमार शर्मा तथा किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी सहित अनेक अभिभावक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अभिभावकों के मनोरंजन के लिए अनेक रोचक एवं मजेदार खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें फनी गेम्स, म्यूजिकल बॉल, अपना बचाओ, दूसरे का गिराओ, वन-डे क्वीन प्रतियोगिता, डांडिया ग्रुप डांस तथा डांडिया ग्रुप नंबर प्रमुख रहे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों एवं विद्यालय के बीच आपसी सहयोग, प्रेम और आत्मीयता को बढ़ावा देना तथा भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को प्रोत्साहित करना था।

खातोदड़ा गांव में सर्वोतम माता पुरस्कार कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़



खातोदड़ा गांव में सर्वोतम माता पुरस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 19 माताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रेखा शोकंद के दिशा निर्देशानुसार किया गया। सर्कल सुपरवाइजर चंचल व एएनएम मोना यादव द्वारा माताओं से उनके व उनके बच्चे से संबंधित स्वास्थ्य बारे प्रश्न पूछे गए, जिसमें सही व अच्छा प्रदर्शन करने वाली माताओं को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने पर राशि प्रदान की गई। इसमे प्रथम स्थान सपना गांव खातोदड़ा ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान संजू कुमारी गांव मांडोला ने प्राप्त किया व तृतीय स्थान खामोश पत्नी रमेश कुमार गांव बलाना ने प्राप्त किया। इस दौरान सर्कल के अंतर्गत नौ गांवों की वर्कर भी उपस्थित रही।

शिक्षा के साथ विद्यालय में सकारात्मक वातावरण जरूरी : एसडीएम सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़


महेंद्रगढ़। विद्यालय का निरीक्षण करते एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम योगेश सैनी ने बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खैरोली का औचक निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था और विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसडीएम योगेश सैनी विभिन्न कक्षाओं में पहुंचे और विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया।

उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक बताया कि वे आगामी परीक्षाओं की तैयारी पूरी लगन से कर रहे हैं और अच्छी शिक्षा प्राप्त कर देश का नाम रोशन करना चाहते है। एसडीएम ने प्राचार्य व अन्य स्टाफ सदस्यों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं, इसलिए उनकी शिक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विद्यालय में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और उनके लिए स्वच्छ, सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण सुनिश्चित किया जाए।

सर्वोत्तम माता पुरस्कार स्पर्धा में मनीषा प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़



महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महेन्द्रगढ़ ब्लॉक स्तर पर सीडीपीओ रेखा नेहरा के दिशा निर्देशन अनुसार सर्वोत्तम माता पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. स्वाति शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता में ब्लॉक के अंतर्गत सभी सर्कल स्तर पर चयनित सभी माताओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान एएनएम पुष्पा ने महिलाओं से मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण और पोषण से संबंधित प्रश्न पूछे। कर्यक्रम में प्रथम स्थान मनीषा पत्नी विक्की निवासी मालड़ा बास, द्वितीय स्थान सुषमा पत्नी गुलशन निवासी वार्ड नंबर आठ व तृतीय स्थान सुमन पत्नी प्यारेलाल निवासी डोरोली जाट ने पाया। डॉ. स्वाति शर्मा ने महिलाओं को नियमित रूप से कुछ भी खाने उपरांत दांतों की सफाई व संतुलित आहार लेने, समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने और बच्चों के टीकाकरण पर विशेष जागरूक किया।

हरियाणा स्कूल ने जीती ओवरऑल ट्रॉफी

डॉ. चितरंजन मित्तल स्मृति इंटर स्कूल हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल



शहर में नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल के प्रांगण में बुधवार को 'आज के युवा में राष्ट्रीयता की भावना का अभाव है' विषय पर डॉ. चितरंजन मित्तल स्मृति इंटर स्कूल हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में शहर के 11 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए विषय के पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईएमए के जिला अध्यक्ष डॉ. दीपक सिंघल रहे, जबकि डॉ. मनमोहन रावत ने अध्यक्षता की। आयोजन में अग्रवाल नर्सिंग होम के हितेंद्र मित्तल, डॉ. विदुषी मित्तल, डॉ. लावण्या शर्मा, दीपिका मित्तल, विधि मित्तल एवं श्रीमती रेखा रावत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय की एमडी निधि वर्मा एवं निदेशक पुष्कर मल वर्मा ने मुख्य अतिथि के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. चितरंजन मित्तल के भाई हितेंद्र मित्तल ने विद्यार्थियों को उनके जीवन एवं व्यक्तित्व से परिचित कराते हुए बताया कि डॉ. मित्तल एक प्रतिष्ठित चिकित्सक होने के साथ-साथ हिंदी भाषा के प्रति विशेष अनुराग रखने वाले और बच्चों के हितैषी व्यक्तित्व थे।

यह रहा परिणाम

प्रतियोगिता में 11 विद्यालयों से दो-दो विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने राष्ट्रीयता की भावना, युवाओं की जिम्मेदारियों और राष्ट्र के प्रति उनके दृष्टिकोण पर अपने विचार प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल में डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, पंकज गोड़ एवं संजय शर्मा शामिल रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अक्षरा (हरियाणा पब्लिक स्कूल), द्वितीय स्थान निकिता (एबीएम स्कूल) और तृतीय स्थान मुस्कान (यदुवंशी स्कूल) रही। प्रतियोगिता की ओवरऑल रनिंग ट्रॉफी हरियाणा पब्लिक स्कूल ने अपने नाम की।

दीपक राठी ने वुशू में जीता स्वर्ण पदक, किया सम्मानित



नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मारोली के खिलाड़ी दीपक राठी ने 70वीं स्कूल नेशनल गेम्स अंडर-17 आयु वर्ग की 75 किलोग्राम वुशू प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने की इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कौशिक ने दीपक को सम्मानित करते हुए कहा कि दीपक की यह सफलता अन्य खिलाड़ियों व विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा ने होनहार विद्यार्थी दीपक राठी को बधाई दी। एईओ विक्रम सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी नारनौल पवन शर्मा, विद्यालय के प्रधानाचार्य, स्टाफ सदस्यों तथा खेल प्रेमियों ने भी दीपक के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं।



सड़क सुरक्षा स्पर्धा में एसडी स्कूल की छात्रा धनु प्रथम

कनीना। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हाल ही में आयोजित ब्लाक स्तरीय इंटर-स्कूल रोड सेफ्टी प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला की कक्षा पांचवीं की छात्रा धनु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह छात्रा अब जिला स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में कनीना ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करेगी। इस उपलब्धि पर चेयरमैन जगदेव यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में यातायात नियमों के प्रति सजगता बढ़ेगी। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने धनु को पारितोषिक देकर सम्मानित किया है। इस मौके पर निदेशक ओमप्रकाश, विद्यालय समिति के वरिष्ठ सदस्य राजेन्द्र यादव, उपनिदेशक पूरण सिंह, प्रधानाचार्य अरविंद कुमार तोमर, कोऑर्डिनेटर स्नेह यादव, प्रियंका उपस्थित थे।

एसआईआर में कथित धांधली के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

गेहूं के एमएसपी में 25 रुपये की बढ़ोतरी किसानों से भद्दा मजाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल


नारनौल। ज्ञापन सौंपते जेजेपी कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने जिला प्रधान राजकुमार खातोद के नेतृत्व में केंद्र सरकार की ओर से गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में मात्र 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इसे किसानों के साथ भद्दा मजाक बताया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम 25 रुपये का ड्राफ्ट नायब तहसीलदार लच्छीराम को सौंपा गया। उपायुक्त की अनुपस्थिति में यह ड्राफ्ट और ज्ञापन सौंपकर सरकार के प्रति रोष जताया गया। इसके साथ ही एसआईआर प्रक्रिया में कथित धांधली और जायज मतदाताओं के वोट काटे जाने के विरोध में भी ज्ञापन दिया गया। जेजेपी जिला प्रवक्ता विजय छिलरो ने बताया कि जिला प्रधान राजकुमार खातोद के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता केंद्र ओर प्रदेश सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ एकत्रित हुए और जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि महंगाई के इस दौर में गेहूं के एमएसपी में केवल 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी किसानों के साथ मजाक है। जिला प्रधान राजकुमार खातोद ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने गेहूं के समर्थन मूल्य में मात्र 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी करके किसान विरोधी सोच उजागर की है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कैलाश पालड़ी, मास्टर हरचंद तोबड़ा, अशोक सैनी, महेंद्र शारदा खन्ना, सुरेंद्र पटीकरा, बेदू राता, प्रमोद ताखर, विनोद भील, दिनेश राजपूत, बार प्रधान विजयपाल, माडूराम, विष्णु डाबड़, वीरेंद्र घटाशेर, महेंद्र खन्ना, सचिन पार्षद, धर्मवीर प्रधान, अधिवक्ता अजय चौधरी, लीलाराम सरपंच, बनवारी कालबा, हैप्पी तंवर, योगी आदलपुर, अशोक, शेखर, हितेश शर्मा, बजरंग गुर्जर, सुशील सहरावत, विजय अधिवक्ता जितेश तंवर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांव के छात्र की मौत होने के कारण समारोह स्थगित

कनीना। क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा मनसा दास मंदिर धाम कपूरी में 23 अक्टूबर को आयोजित होने वाला संत सम्मेलन, खेलकूद प्रतियोगिता व भजन संध्या समारोह होना था। इसे गांव के एक होनहार छात्र आदित्य चौहान की आकस्मिक मृत्यु के चलते स्थगित कर दिया गया है। गांव में पसरे गहरे शोक के कारण मंदिर प्रबंधन कमेटी और ग्राम पंचायत ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया है।

सूचना

मैं, नवीन कुमार पुत्र भैरू दत निवासी सतनाली, उपतहसील सतनाली, जिला महेन्द्रगढ़-123024, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम नवीन कुमार पंजीकृत है जो सही व दुरूस्त है। मेरे पुत्र की दसवीं व बारहवीं कक्षा की मार्कशीट में मेरा नाम नवीन पंजीकृत है जो सही व दुरूस्त है। अतः भविष्य में मुझे नवीन व नवीन कुमार दोनों नामों से जाना जाए जो मेरे सभी दस्तावेजों के अनुसार सही है।

एचईआरसी के फैसले की प्रति जलाकर जताया रोष

हड़ताल में 602 एचकेआरएन व 544 नियमित कर्मचारी होंगे शामिल

निजीकरण के विरोध में गरजे बिजली कर्मचारी, 3 दिन हड़ताल का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियरिंग एसोसिएशन के सांझा संयुक्त संघर्ष मोर्चा की केंद्रीय परिषद तथा अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ एचकेआरएन के आह्वान पर बुधवार को सब-डिवीजन कार्यालय परिसर में बिजली कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने गुरुग्राम एवं नूंह में बिजली वितरण के लिए पैरेलल लाइसेंस दिए जाने के फैसले तथा अन्य लंबित मांगों को लेकर नारेबाजी की। इस दौरान कर्मचारियों ने हरियाणा विद्युत नियामक आयोग (एचईआरसी) के फैसले की प्रति जलाकर अपना रोष जताया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए केंद्रीय परिषद के सह-सचिव सुभाष रोहिल्ला ने कहा कि बिजली कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों का सरकार को शीघ्र समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो 22 से 24 अक्टूबर तक तीन दिवसीय हड़ताल की जाएगी। उन्होंने कर्मचारियों से हड़ताल को सफल बनाने के लिए शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित हड़ताल में सर्कल स्तर पर करीब 602 एचकेआरएन कर्मचारी और 544 नियमित कर्मचारी शामिल होंगे। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि मांगों का समाधान नहीं होने की स्थिति में आंदोलन को आगे भी तेज किया जा सकता है। प्रदर्शन की अध्यक्षता महेंद्र पाल ने की, जबकि मंच संचालन बीरेंद्र यादव यूनिट प्रधान एचपीसी ने किया। इस अवसर पर एसडीओ लोकेश कुमार, एसडीओ आदित्य वर्मा सिटी, एसडीओ सोमबीर टीएल, एसडीओ अश्विनी कंस्ट्रक्शन सहित विभिन्न कर्मचारी और संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।



नारनौल। फैसले की प्रतियां जलाते बिजली कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

सर्व कर्मचारी संघ ने दिया समर्थन

बिजली कर्मचारियों के आंदोलन को समर्थन देने के लिए सर्व कर्मचारी संघ के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इनमें एसकेएस सर्कल कमेटी के महेंद्र बोयत, जिला प्रधान कौशल यादव तथा राहुल सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। इसके अलावा अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के जिला प्रधान आशीष गोरा, एवीकेएसएच के जिला प्रधान राजवीर शेखावत, प्रदेश सदस्य कर्मवीर जाखड़ तथा जिला सचिव चिंतामणि गुप्ता ने भी कर्मचारियों के आंदोलन का समर्थन किया। संगठन पदाधिकारियों ने सार्वजनिक बिजली व्यवस्था की रक्षा, कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा और उपभोक्ताओं के हितों से जुड़े मुद्दों पर एकजुट होकर आवाज उठाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर सरकार को बातचीत के माध्यम से समाधान की दिशा में कदम उठाना चाहिए।

निजीकरण के फैसले पर जताई चिंता

प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने एचईआरसी की ओर से गुरुग्राम एवं नूंह में बिजली वितरण के लिए पैरेलल लाइसेंस दिए जाने के फैसले पर गंभीर चिंता जताई। कर्मचारियों का कहना था कि इससे सरकारी बिजली निगमों की मौजूदा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। साथ ही उन्होंने कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा और आम उपभोक्ताओं के हितों को लेकर भी चिंता व्यक्त की। कर्मचारी नेता किरोड़ीमल सैनी ने कहा कि बिजली केवल व्यापार का साधन नहीं, बल्कि आम जनता की बुनियादी जरूरत है। इसलिए सार्वजनिक बिजली व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ बिजली क्षेत्र से जुड़े निर्णयों में कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने बिजली क्षेत्र में निजीकरण की प्रक्रिया पर पुनर्विचार करने की मांग की। सांझा संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने बिजली कर्मचारियों के सभी संगठनों और आम जनता से विरोध कार्यक्रमों में अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की। कर्मचारियों ने सरकार से गुरुग्राम एवं नूंह में पैरेलल लाइसेंस देने के फैसले पर पुनर्विचार करने, बिजली क्षेत्र में निजीकरण की प्रक्रिया रोकने तथा कर्मचारियों की लंबित मांगों का शीघ्र समाधान करने की मांग की। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार की ओर से मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया। तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में बिजली कर्मचारी शामिल हुए और उन्होंने सरकार के प्रति अपना रोष जाहिर किया।

6 दिन के संघर्ष के बाद कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक पहल



हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा, भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध के नेतृत्व में लंबित मांगों को लेकर कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के छठे दिन सकारात्मक पहल सामने आई। कर्मचारियों की एकजुटता और संगठन के लगातार प्रयासों के बाद कार्यकारी अभियंता ने संगठन के प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए बुलाया। बैठक में कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उनके समाधान की दिशा में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में सबसे प्रमुख मुद्दा टीएनपी किट एवं आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का रहा। संगठन ने मांग रखी कि जिन कर्मचारियों को अभी तक किट और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं हुए हैं, उन्हें जल्द मुहैया करवाया जाए। कार्यकारी अभियंता ने संबंधित कर्मचारियों की सूची तैयार करवाकर आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधियों ने कहा कि तकनीकी कर्मचारियों की सेवाओं का विभागीय आवश्यकता के अनुसार उपयोग किया जाना चाहिए। कार्यालयों में कार्यरत तकनीकी कर्मचारियों की सूची तैयार करवाकर जरूरत के अनुसार उन्हें फील्ड में तैनात करने की दिशा में सकारात्मक पहल की गई। प्रदर्शन और गेट मीटिंग के दौरान जिन कर्मचारियों की अनुपस्थिति दर्ज की गई थी, उनका मुद्दा भी बैठक में रखा गया। कार्यकारी अभियंता ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदर्शन एवं गेट मीटिंग के दौरान दर्ज की गई अनुपस्थिति को दुरुस्त किया जाए। संगठन की प्रमुख मांग साथी रमेश कुमार पुत्र कृष्ण कुमार को उनके पहले वाले कार्यस्थल पर वापस ड्यूटी पर लेने की थी। इस संबंध में कार्यकारी अभियंता ने मौके पर ही उपमंडल अधिकारी से फोन पर बातचीत की और निर्देश दिए कि रमेश कुमार को जिस दिन से रिलीव किया गया था, उसी दिन से वापस ड्यूटी पर लिया जाए। संगठन ने कहा कि छह दिन तक चले शांतिपूर्ण संघर्ष में कर्मचारियों ने धैर्य, अनुशासन और एकजुटता का परिचय दिया।

■ बैठक में कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की समाधान के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

बिजली उपभोक्ता मंच ने की सरकार के फैसले की निंदा

नारनौल। बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा संबंधित ऑल इंडिया इलैक्ट्रिसिटी कंज्यूमर एसोसिएशन ने गुड़गांव व नूंह की बिजली वितरण प्रणाली को प्राइवेट कम्पनी इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड को सौंपने के सरकार की शह पर लिए गए हरियाणा इलैक्ट्रिसिटी रैगुलेटरी कमिशन के फैसले की कड़ी निन्दा की है और इसे तुरंत प्रभाव से वापस लेने की मांग की है। बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा के जिला संयोजक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब व छाजूराम रावत ने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं, कर्मचारी व इंजीनियर संगठनों के लगातार कड़े विरोध को अनदेखा करते हुए निजी कम्पनी के हित में फैसला लिया गया है। इस का जनहित से कोई वास्ता नहीं है। नेताओं ने बिजली उपभोक्ताओं से भी इस का कड़ा विरोध करने का आह्वान किया।

बिजली कर्मचारियों ने किया विरोध प्रदर्शन



महेंद्रगढ़। बिजली कर्मचारी अधिकारी संघर्ष समिति एवं सिटी एक सब यूनिट के कर्मचारियों ने एसडीओ कार्यालय पर सब-डिवीजन स्तर पर हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग द्वारा जारी पैरेलल लाइसेंस के आदेशों की प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिटी सब डिवीजन के एसडीओ सुनील कुमार ने की तथा संचालन सब अर्बन सब यूनिट सचिव दीपक यादव ने किया। सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सांझा संघर्ष मोर्चा की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक बिजली मंत्री अनिल विज के साथ है। अगर सरकार आज इलेवन पावर को दिए पैरलैल लाइसेंस को रद्द नहीं करती हैं, तो बिजली अधिकारी कर्मचारी सांझा संघर्ष के बैनर तले 22,23 और 24 अक्टूबर को हड़ताल पर करने को विवश होंगे। मौके पर एचएसईबी वर्कर यूनियन, एचपीसी वर्कर्स यूनियन, वर्कर्स यूनियन, अनुबंधित कर्मचारी संगठन और इंजीनियर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी व कर्मचारी साथी उपस्थित रहे।

बिजली कर्मचारियों ने धरना देकर की सरकार विरोधी नारेबाजी



नांगल चौधरी। बिजली वितरण के लिए पैरेलल लाइसेंस देने के विरोध में हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियरिंग एसोसिएशन के सांझा संयुक्त संघर्ष मोर्चा की केंद्रीय परिषद के आह्वान पर सब डिवीजन कार्यालय परिसर में धरना दिया। विद्युत नियामक आयोग के फैसले की प्रतियां जलाकर रोष जताया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व प्रधान जितेंद्र डांगी ने किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने गुपचुप तरीके से गुरुग्राम एवं नूंह में बिजली वितरण के लिए पैरेलल लाइसेंस दिए जाने के फैसला लिया है। इस फैसले से सरकारी बिजली निगमों की व्यवस्था, कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा और आम उपभोक्ताओं के हित प्रभावित होने की आशंका है। प्रदर्शन में उप प्रधान मनोज कुमार, सचिव अनिल गुर्जर, यूनिट नारनौल के वरिष्ठ उप प्रधान राकेश यादव ने विचार व्यक्त किए।

जिलास्तरीय बाल महोत्सव

40 स्कूलों के 510 प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

बाल भवन बच्चों की योग्यता के अनुसार प्रतिभा को निखारने का एक सशक्त मंच: डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के बैनर तले बुधवार को बाल भवन में आठ दिवसीय जिला स्तरीय बाल महोत्सव-2026 की प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया। उपायुक्त एवं जिला बाल कल्याण परिषद की अध्यक्ष अनुपमा अंजली ने बतौर मुख्य अतिथि रही। विशिष्ट अतिथि के तौर पर सेवानिवृत्त जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन कुमार शर्मा रहे। अध्यक्षता जिला बाल कल्याण अधिकारी राजेन्द्र सिंह ने की।

मुख्य अतिथि ने बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों से कहा कि बाल भवन बच्चों की आयु, रुचि और योग्यता के अनुसार उनकी प्रतिभा को निखारने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने बच्चों से जीवन में सफलता पाने के लिए निरंतर प्रयास करने, असफलता से सीख लेने और अभिभावकों व शिक्षकों के बताए सही मार्ग पर चलने का आह्वान किया। जिला बाल कल्याण अधिकारी राजेन्द्र सिंह ने बताया कि महोत्सव के पहले दिन आयोजित कार्ड मेकिंग, क्ले मॉडलिंग, सोलो डांस और ग्रुप डांस की प्रतियोगिताओं में जिले के 40 सरकारी व गैर-सरकारी स्कूलों के 510 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंच संचालन कार्यक्रम अधिकारी विवेक कुमार, लिपिक सुरेंद्र शर्मा और परियोजना निदेशक रोहताश सिंह रंगा ने किया। नृत्य प्रतियोगिताओं में डॉ. कुसुम लत्ता, वंदना शर्मा, ललित कुमार और ललित कुमार निर्णायक भूमिका निभाई। वहीं कार्ड मेकिंग व क्ले मॉडलिंग में सुमनलता, पूनम शर्मा, सीमा कुमारी और हिमांशु राठी ने निर्णायक की जिम्मेदारी संभाली।



नारनौल। प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुति देती छात्रा।

प्रथम दिन के परिणाम

एकल नृत्य प्रथम ग्रुप में आरपीएस स्कूल महेंद्रगढ़ की रुचिका प्रथम, सूरज सीनियर सेकेंडरी स्कूल महेंद्रगढ़ की आयशा द्वितीय, आरपीएस पब्लिक स्कूल नारनौल के अंश आर्य व सीएल पब्लिक स्कूल नारनौल की वंदना तृतीय, एचपीएस नारनौल की नैंसी ने सांत्वना स्थान प्राप्त किया। कार्ड मेकिंग प्रथम ग्रुप में भारती पब्लिक स्कूल नारनौल की ईशिता वर्मा प्रथम, सरस्वती विद्या मंदिर नांगल चौधरी की पलक द्वितीय, द वेदांता इंटरनेशनल स्कूल नारनौल मानसी तृतीय, एमएलएस डीएवी नारनौल की पहल ने सांत्वना प्रथम व यदुवंशी शिक्षा निकेतन सतनाली के लक्षित ने सांत्वना द्वितीय स्थान हासिल किया। क्ले मॉडलिंग प्रथम ग्रुप में एमएएसडी नारनौल की कनिका मेचू ने प्रथम, आरपीएस महेंद्रगढ़ की यशविनी ने द्वितीय, भारती पब्लिक स्कूल नारनौल की नव्या वर्मा ने तृतीय, एमएलएस डीएवी नारनौल की भावना ने सांत्वना प्रथम व यदुवंशी शिक्षा निकेतन महेंद्रगढ़ की दिव्या ने सांत्वना द्वितीय स्थान प्राप्त किया। क्ले मॉडलिंग द्वितीय ग्रुप में रामचंद्र पब्लिक स्कूल कनीना की वैष्णवी ने प्रथम, द वेदांता इंटरनेशनल स्कूल नारनौल के चार्विक ने द्वितीय, हैप्पी एवरग्रीन महेंद्रगढ़ की जिया ने तृतीय, भारती पब्लिक स्कूल नारनौल की मिशिका ने सांत्वना प्रथम व यदुवंशी शिक्षा निकेतन महेंद्रगढ़ की तन्वी यादव ने सांत्वना द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अवैध जल कनेक्शनों पर जनस्वास्थ्य विभाग सख्त

पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में दी चेतावनी

नारनौल। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए मोहल्ला जमालपुर में मुख्य पेयजल लाइन से लिए गए अवैध कनेक्शनों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को विभागीय अधिकारियों ने पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में मोहल्ला वासियों को मुख्य लाइन से अवैध कनेक्शन हटाने की चेतावनी दी तथा इसके लिए बृहस्पतिवार तक का समय दिया। उपमंडल अभियंता मुकेश कुमार शर्मा की अगुवाई में की गई इस कार्रवाई के दौरान स्पष्ट किया गया कि यदि निर्धारित समय तक अवैध कनेक्शन स्वयं नहीं हटाए गए, तो विभाग को जेसीबी मशीन की सहायता से कनेक्शन हटाने की कार्रवाई करनी पड़ेगी। विभाग ने नागरिकों से अपील की कि वे पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को बाधित होने से बचाने के लिए स्वेच्छा से अवैध कनेक्शन हटा लें और विभागीय कार्रवाई से बचें। उपमंडल अभियंता मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि मोहल्ला जमालपुर में मुख्य पेयजल लाइन से सैकड़ों अवैध कनेक्शन होने के कारण जल वितरण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इसके चलते मेहता चौक और ओल्ड कोर्ट क्षेत्र में स्थित बूस्टर पर्याप्त रूप से नहीं भर पा रहे हैं, जिससे संबंधित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुचारू रखने में परेशानी आ रही है। उन्होंने कहा कि मुख्य पेयजल लाइन से सीधे कनेक्शन लेना नियमों के विरुद्ध है। इस प्रकार के कनेक्शन न केवल जल वितरण व्यवस्था को प्रभावित करते हैं, बल्कि अन्य उपभोक्ताओं तक पर्याप्त मात्रा में पानी पहुंचाने में भी बाधा उत्पन्न करते हैं।





मंडी अटेली। मंत्री के कार्यालय में निजी सचिव गोविंद गोस्वामी को ज्ञापन सौंपते हुए।

लंबित मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

मंडी अटेली। आशा कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर जिला की ओर से अपनी लंबित मांगों को लेकर बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के नाम एक मांग पत्र उनके निजी सचिव गोविंद गोस्वामी को सौंपा गया। यूनियन की राज्य महासचिव मधु देवी के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में आशा कार्यकर्ताओं की समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि वह राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं दे रही हैं, लेकिन उन्हें केवल 6100 रुपये का मामूली मानदेय और प्रोत्साहन राशि ही मिलती है। इतनी भीषण महंगाई में इतने कम वेतन में गुजारा करना बेहद कठिन हो गया है। उनकी मुख्य मांगें नियमित कर्मचारी का दर्जा आशा कार्यकर्ताओं को पक्का किया जाए और पक्का होने तक हरियाणा के कुशल श्रमिक के बराबर वेतन तथा महंगाई सूचकांक से जोड़ा जाए। वहीं पदोन्नति में एएनएम के 25 प्रतिशत पद आशा कार्यकर्ताओं से भरे जाएं। रिटायरमेंट लाभ एवं पेंशन रिटायरमेंट की उम्र 65 वर्ष की जाए और रिटायरमेंट पर पांच लाख रुपये की सहायता राशि व पेंशन दी जाए। इस मौके पर एआईटीयूसी के जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह कपिल यादव, ईश्वर खंड प्रधान, सुरेंद्र सिंह, मधु, सविता, सुरेखा, कमलेश, सुनीता देवी, रिंकू, रितु देवी, मीना, किरण, कृष्णा देवी आदि मौजूद रही।



यूजीसी रोलबैक की मांग, सौंपा ज्ञापन

कनीना। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से जुड़े नए नियमों को वापस लेने की मांग को लेकर स्वर्ण समाज एकता मंच कनीना की ओर से राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन नायब तहसीलदार पौरूष पहल को सौंपा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीराम गौड़ बाघोत ने की। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक संगठनों व प्रबुद्ध नागरिकों ने एकजुट होकर यूजीसी के विवादित प्रावधानों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। गौड़ सभा के संरक्षक कंवर सेन वशिष्ठ ने कहा कि यूजीसी के नए प्रावधान समानता के मौलिक सिद्धांत के खिलाफ हैं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में निष्पक्षता और सभी वर्गों के हितों की रक्षा की वकालत करते हुए एससी-एसटी एक्ट में भी आवश्यक संशोधन की मांग उठाई। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अत्तर सिंह ने कहा कि देश को वर्तमान में समान नागरिक संहिता जैसे समतावादी कानूनों की आवश्यकता है, न कि यूजीसी जैसे विभाजनकारी नियमों की। गिरवरलाल कौशिक ने प्राचीन भारत के सामाजिक ताने-बाने का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे कानून समाज में आपसी द्वेष बढ़ाते हैं, सरकार को इन्हें तुरंत प्रभाव से वापस लेना चाहिए। करण शर्मा ने कहा कि आज का युवा प्रगतिशील सोच रखता है। सरकार को यूजीसी के जरिए भ्रम की स्थिति पैदा कर सनातन एकता को प्रभावित करने वाले कदमों से बचना चाहिए। इस मौके पर विष्णु तंवर, सूबेदार मुनीलाल शर्मा, सुरेश शर्मा, रवि कौशिक, बुद्धि प्रकाश, ओम तंवर, मोहन यादव, अनिल यादव, प्रेम शर्मा नौताना, पृथ्वी चंद, कप्तान सिंह, भगत सिंह उन्हाणी, मोहित शर्मा, योगेश अग्रवाल, धनपत यादव, मुकेश शर्मा रामबास आदि उपस्थित थे।

संत नामदेव का प्रथम वार्षिक उत्सव 25 को

मंडी अटेली। संत श्री नामदेव समाज समिति अटेली मंडी की ओर से 25 अक्टूबर को प्रथम संत नामदेव जन्मोत्सव वार्षिक उत्सव समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों व 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्गों को सम्मानित किया जाएगा। समिति के मीडिया प्रभारी राकेश पेंटर ने बताया कि समिति के प्रधान विजय पाल रोहिल्ला व अटेली समिति के पदाधिकारियों की देखरेख में होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नीलंठ ग्रुप गुरुग्राम के डायरेक्टर सुनील वर्मा होंगे, अध्यक्षता जिला सुभाष चंद वर्मा करेंगे। विशिष्ट अतिथि पूना के बिजेंद्र मेहताप रोहिल्ला, रेवाड़ी समाज के जिला प्रधान सतीश कुमार, दिल्ली पुलिस के सेवानिवृत्त डीसीपी एलएन राव, सेवानिवृत्त उप निदेशक पुष्करमल वर्मा, पार्षद प्रतिनिधि शमशेर यादव, महेंद्रगढ़ प्रधान बृजलाल वर्मा, ट्रस्ट प्रधान बाबूलाल वर्मा, जुगेंद्र वर्मा, नीमराणा के प्रधान सीताराम वर्मा मौजूद रहेंगे।

पुलिस लाइन में शहीदों को दी श्रद्धांजलि, शहीद परिवार को किया सम्मानित

पुलिस शहीदी दिवस पर वीर शहीदों को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिस जवानों की स्मृति में बुधवार को पुलिस लाइन में पुलिस शहीदी दिवस पूरी गरिमा, श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार के नेतृत्व में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और नागरिकों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह के दौरान पुलिस की टुकड़ी ने शहीदों के सम्मान में सलामी दी। पुलिस अधीक्षक सहित उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों व पुलिस कर्मचारियों ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और अतुलनीय बलिदान को नमन किया।

समारोह का विशेष एवं भावपूर्ण क्षण उस समय देखने को मिला, जब पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने वीर शहीदों के परिजनों को सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञता एवं संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शहीद परिवारों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि राष्ट्र और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। इन वीर सपूतों ने कर्तव्य के प्रति समर्पण, अदम्य साहस और राष्ट्रसेवा की ऐसी मिसाल प्रस्तुत की है, जो सदैव पुलिस बल और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि शहीदों का सम्मान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके सर्वोच्च बलिदान के प्रति समाज और पुलिस विभाग की सामूहिक कृतज्ञता का प्रतीक है।



नारनौल। पुलिस शहीदी दिवस पर वीर सैनिकों को नमन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

शहीदों के परिजन पुलिस परिवार का अभिन्न अंग

पुलिस अधीक्षक ने शहीद परिवारों को विश्वास दिलाया कि जिला पुलिस हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिजन पुलिस परिवार का अभिन्न अंग हैं और उनके सम्मान, सुरक्षा एवं सहयोग के प्रति पुलिस विभाग सदैव प्रतिबद्ध रहेगा। किसी भी प्रकार की समस्या, आवश्यकता अथवा कठिन परिस्थिति में शहीद परिवार निःसंकोच पुलिस से संपर्क कर सकते हैं। उनकी हरसंभव सहायता करना पुलिस विभाग का नैतिक दायित्व है। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र सिंह, डीएसपी मुख्यालय भारत भूषण, डीएसपी डॉ. कविता सहित जिले के समस्त थाना प्रभारी, विभिन्न शाखाओं के अधिकारी एवं पुलिस कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।